## मालिनी अवस्थी
### अकादेमी पुरस्कारः लोकसंगीत (उत्तर प्रदेश)

## MALINI AWASTHI
### Akademi Award: Folk Music (Uttar Pradesh)

Born on 15 October 1966 in Kannauj district of Uttar Pradesh, Shrimati Malini Awasthi learnt folk music under several masters including Shrimati Girija Devi of Banaras gharana, Shri Rahat Ali Khan of Rampur gharana, and Shri Shujat Hussain Khan of Patiala gharana.

A postgraduate in Hindustani classical music (from Bhatkhande Music Institute Deemed University, Lucknow), as well as in History (from Lucknow University), Shrimati Malini Awasthi has earned recognition as an eminent folk singer with her performances in many regional, national and international festivals, and also in innumerable cultural forums and platforms. She also has a rich repertoire of Thumri, Kajri, Chaiti, Thappa, Dadra, Bhajans, and Ghazals, and is an 'A' grade artist of All India Radio and Doordarshan, Lucknow. She has been associated as a visiting professor with many prestigious cultural institutions such as the Jawaharlal Nehru University, Delhi; and the Bharat Adhyayan Kendra, Banaras Hindu University, Varanasi. She has also lent her voice to Bollywood movies such as *Dam Laga ke Haisha*, and *Agent Vinod*. She has many recordings to her credit.

For her contribution to the folk music of Uttar Pradesh, Shrimati Malini Awasthi has been honoured with several awards including the Padma Shri in 2016, and the Uttar Pradesh Sangeet Natak Akademi Award in 2017.

Shrimati Malini Awasthi receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for her contribution to the folk music of Uttar Pradesh.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में 15 अक्टूबर 1966 को जन्मी श्रीमती मालिनी अवस्थी ने बनारस घराने की श्रीमती गिरजा देवी, रामपुर घराना के श्री राहत अली खान, तथा पटियाला घराने के श्री शुजात हुसैन खान समेत कई गुरुओं से लोकसंगीत की शिक्षा प्राप्त की है।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (भातखंडे संगीत संस्थान, सम विश्वविद्यालय, लखनऊ) के साथ ही इतिहास (लखनऊ विश्वविद्यालय) में भी स्नातकोत्तर की उपाधि आपने अर्जित की है। श्रीमती मालिनी अवस्थी ने कई क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं। आपकी प्रसिद्धि एक लोक गायिका के रूप में है। आपके पास ठुमरी, कजरी, चैती, टप्पा, दादरा, भजन, और ग़ज़ल का समृद्ध भंडार है। आप आकाशवाणी और दूरदर्शन, लखनऊ की 'ए' श्रेणी की कलाकार हैं। कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों जैसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली; तथा भारत अध्ययन केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से आप बतौर विजिटिंग प्रोफेसर जुड़ी रही हैं। आपने दम लगा के हईशा, और एजेंट विनोद जैसी बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। आप द्वारा गाये गीतों के कई रिकॉर्डिंग्स उपलब्ध हैं।

उत्तर प्रदेश के लोक संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, श्रीमती मालिनी अवस्थी को वर्ष 2016 में पद्मश्री, और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

उत्तर प्रदेश के लोक संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्रीमती मालिनी अवस्थी को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018